50 Years Later, Sholay's Original Climax to Screen

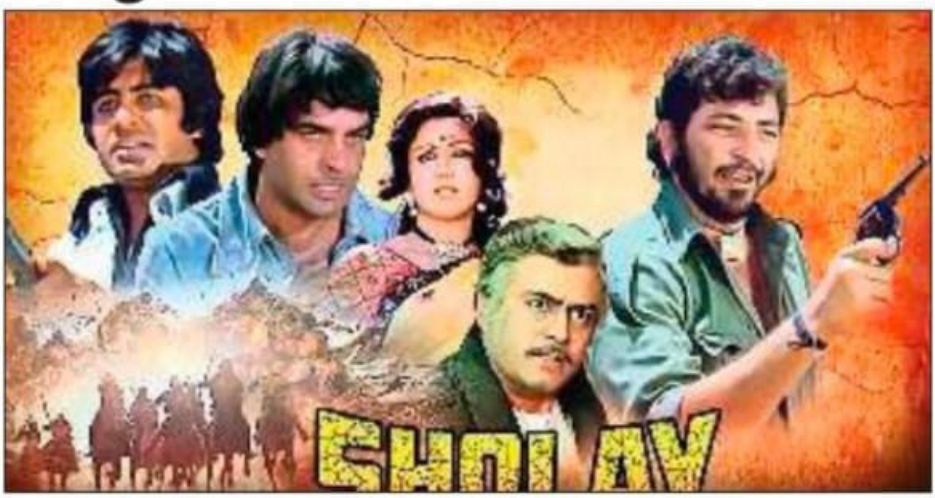

जब शोले पहली बार बनी थी, तब डायरेक्टर रमेश सिप्पी का मन था कि फिल्म का क्लाइमेक्स अलग हो. उनका इरादा था कि खलनायक गब्बर सिंह की मौत ठाकुर के हाथों हो (जहां अमजद खान ने गब्बर और संजीव कुमार ने ठाकुर का किरदार निभाया था). लेकिन डिस्ट्रीब्यूटर्स के दबाव में इस एंडिंग को मूवी में बदलना पड़ा और अंतिम रूप वही रहा जहां ठाकुर उसे छोड़ देता है और गब्बर को पुलिस गिरफ्तार कर लेती है. हालांकि, उस समय वह मूल वर्जन शूट हो चुका था और अब फाइनली 50 साल बाद वह एंडिंग बड़े इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ सिडनी पर रिलीज होने जा रही है.

शोले की रियल एंडिंग अब 4K में

1. इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ सिडनी (IFFS), जिसे इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न (IFFM) की टीम प्रेजेंट कर रही है, ने घोषणा की है कि अक्टूबर में होने वाले इस इवेंट की सेंटरपीस फिल्म शोले होगी. इसमें दर्शकों को वो ओरिजिनल एंडिंग दिखाई जाएगी जहां ठाकुर गब्बर को मार देता है. यह फेस्टिवल 9 से 11 अक्टूबर तक चलेगा.

2. भारतीय सिनेमा के इतिहास की सबसे प्रतिष्ठित फिल्मों में शामिल शोले को फिल्म हेरिटेज फाउंडेशन ने सिप्पी फिल्मस के साथ मिलकर बारीकी से 4K में रीस्टोर किया है. इस लंबी प्रक्रिया में लंदन से एक दुर्लभ कलर रिवर्सल प्रिंट ढूंढा गया और मुंबई के एक वेयरहाउस से ओरिजिनल कैमरा नेगेटिव और लंबे समय से खोए हुए डिलीटेड सीन बरामद किए गए. नतीजा यह है कि फिल्म अब फिर से अपने असली 70mm वैभव में लौट आई है.

'शोले सिर्फ एक फिल्म नहीं है; यह भारतीय कहानी कहने, स्मृतियों और मिथक का हिस्सा है. इसके मूल अंत को वापस लाना सिर्फ एक अलग दृश्य नहीं, बल्कि इसके निर्माता की पूरी दृष्टि को पुनर्स्थापित करना है. 50 साल पूरे होने पर हम उस साहस का सम्मान कर रहे हैं जो सिनेमा को चुनौती देता है, टिके रहने की ताकत देता है और अपनी असली शक्ल में पुनर्जन्म लेता है. हमें बेहद खुशी है कि अब सिडनी का दर्शक शोले को उसी रूप में देख पाएगा, जैसा इसे हमेशा देखा जाना चाहिए था.'

मितु भौमिक लांगे, फेस्टिवल डायरेक्टर